

उत्तराखण्ड शासन
औद्योगिक विकास अनुभाग-1
संख्या: 2238 / VII-1 / 145-ख / 2010
देहरादून : दिनांक: 17 सितम्बर, 2010

कार्यालय ज्ञाप

जनपद बागेश्वर की तहसील कपकोट के ग्राम उड़ियार में 6.72 एकड़ क्षेत्रफल में खनिज सोपस्टोन के प्रोस्पेक्टिंग कार्य हेतु प्रोस्पेक्टिंग लाईसेंस प्राप्त करने के लिए खनिज परिहार नियमावली, 1960 के प्राविधानों के अन्तर्गत आवेदक श्री सुल्तान खान पुत्र श्री नजीर खान, निवासी चौक बाजार, बागेश्वर ने दिनांक 06.04.2002 को जिलाधिकारी कार्यालय बागेश्वर में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

जिलाधिकारी, बागेश्वर ने अपने पत्र संख्या 274/तीस-40/2001-02, दिनांक 03.02.2003 के द्वारा अवगत कराया गया है कि आवेदक श्री सुल्तान खान को इससे पूर्व ग्राम बड़यूडा में सोपस्टोन खनिज का प्रोस्पेक्टिंग लाईसेंस स्वीकृत था। प्रोस्पेक्टिंग कार्य के दौरान आवेदक की कार्य पद्धति ठीक न पाये जाने के कारण तत्कालीन जिलाधिकारी द्वारा अपने पत्र संख्या 94/30-160/95-96/2001, दिनांक 12 जनवरी, 2001 से श्री खान को भविष्य में खनन पट्टा स्वीकृत न किये जाने की संस्तुति की गयी है। अतः श्री खान को नये क्षेत्र ग्राम उड़ियार में प्रा0ला0 दिये जाने के सम्बन्ध में यथोचित आदेश निर्गत करने का अनुरोध किया गया।

खान अधिकारी, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय, अल्मोड़ा द्वारा अपने पत्र संख्या 119/खनन/जि0टा0फो0/2003-04, दिनांक 23 जून, 2003 द्वारा आवेदक के आवेदन पत्र में पायी गयी कमियों के निराकरण हेतु जिलाधिकारी, बागेश्वर से अनुरोध किया गया। प्रभारी अधिकारी, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय, अल्मोड़ा ने अपने पत्र दिनांक 16 मार्च, 2004 द्वारा आवेदन पत्र के सम्बन्ध में वर्णित त्रुटियों का निराकरण आवेदक से करवाने हेतु जिलाधिकारी, बागेश्वर एवं उप जिलाधिकारी, कपकोट से अनुरोध किया।

आवेदक द्वारा इतनी लम्बी अवधि बीत जाने के उपरान्त भी आज तक आवेदन पत्र की कमियों के निराकरण सम्बन्धी कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की गयी है और न ही मानचित्र में आवेदित क्षेत्र चिन्हांकित है, जिससे आवेदित क्षेत्र की स्थिति भी स्पष्ट नहीं है। खनिज परिहार नियमावली के नियम 63 A के अधीन प्रोस्पेक्टिंग लाईसेंस हेतु आवेदन पत्र के निस्तारण की अवधि 09 माह निर्धारित है। जबकि श्री सुल्तान खान ने कमियों का निराकरण नहीं किया गया है।

आवेदक श्री सुल्तान खान को खनिज परिहार नियमावली, 1960 के नियम-12(1) के अन्तर्गत शासन के पत्र संख्या: 1894/VII-1/145-ख/2010, दिनांक 06 सितम्बर, 2010 द्वारा दिनांक 13 सितम्बर, 2010 को अपराह्न 4:15 बजे सुनवाई में शासन के समक्ष अपना पक्ष रखने का अवसर दिया गया। उक्त सुनवाई में जिलाधिकारी, बागेश्वर/उनके प्रतिनिधि तथा आवेदक स्वयं/उनके प्रतिनिधि उपस्थित नहीं हुए।

अतः आवेदक का आवेदन पत्र खनिज परिहार नियमावली, 1960 के नियम 22 डी को दृष्टिगत नियम-63 A (B) के द्वारा निर्धारित समय सीमा व्यतीत होने एवं नियम 22 डी के अन्तर्गत आवेदित क्षेत्र 4.00 हैक्टेयर से कम होने के कारण उनके प्रोस्पेक्टिंग लाईसेंस हेतु प्रस्तुत आवेदन पत्र दिनांक 06.04.2002 को एतद्वारा अस्वीकृत/निरस्त किया जाता है।

(एस0 राजू)
प्रमुख सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 2238 (1)/VII-1/145-ख/2010, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. जिलाधिकारी, बागेश्वर।
2. ज्येष्ठ खान अधिकारी, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड, भोपालपानी, पोस्ट बड़ासी (कड़ई खाले), देहरादून को उनके पत्र संख्या 709/मु0ख0/19/बागे0/भू0खनि0ई0/2010-11, दिनांक 21 जुलाई, 2010 के क्रम में।
- ✓ 3. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना एवं विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
4. श्री सुल्तान खान पुत्र श्री नजीर खान, निवासी चौक बाजार, बागेश्वर।

आज्ञा से,

(एस0 राजू)
प्रमुख सचिव।